भारत - लाइबेरिया संबंध

छह दशकों से भी अधिक समय से चले आ रहे भारत - लाइबेरिया संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। भारत द्वारा अबिदजान में निवास के साथ कोटे डी आइवरी में भारत के राजदूत को लाइबेरिया की समवर्ती रूप से जिम्मेदारी सौंपी गई है। लाइबेरिया का भी नई दिल्ली में कोई रेजीडेंट मिशन नहीं है।

2. इंदिरा गांधी स्मारक न्यास द्वारा लाइबेरिया की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती एलन जानसन सरलीफ को शांति, निरस्त्रीकरण एवं विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार 2012 प्रदान किया गया। सितंबर, 2013 में राजकीय दौरे पर भारत की यात्रा करने वाली राष्ट्रपति सरलीफ लाइबेरिया की पहली राष्ट्राध्यक्ष थी। इससे पूर्व भारत की एकमात्र यात्रा की गई थी जो राष्ट्रपति सैमुअल के डो द्वारा 1983 में दिल्ली में नाम शिखर बैठक में भाग लेने के लिए हुई थी। उन्होंने प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के साथ शिष्टमंडल स्तरीय बातचीत की।

3. राष्ट्रपति सरलीफ की यात्रा के दौरान चार करारों / एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। इन करारों में दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों के बीच संयुक्त आयोग की स्थापना के लिए करार; विदेश सेवा संस्थानों के बीच सहयोग के लिए करार; तेल एवं गैस क्षेत्र में समानता एवं परस्पर लाभ के आधार पर द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने एवं सुगम बनाने के लिए एक सहयोगात्मक संस्थानिक रूपरेखा स्थापित करने के लिए एम ओ यू तथा पारेषण एवं वितरण की परियोजना के लिए 144 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता के लिए एम ओ यू शामिल हैं। राष्ट्रपति सरलीफ ने विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी के लिए लाइबेरिया के समर्थन को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया।

4. दो सैन्य दलों, जिनमें से प्रत्येक में 125 सदस्य थे, के भारतीय योगदान को लाइबेरिया द्वारा खूब सराहा गया है। वर्ष 2007 से लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन के लिए सी आर पी एफ की फीमेल फार्म्ड पुलिस यूनिट (एफ एफ पी यू) संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के इतिहास में अब तक की पहली महिला टुकड़ी का प्रतिनिधित्व करती है। इस टुकड़ी ने न केवल प्रचुर सद्भाव का सृजन किया है अपितु लाइबेरिया की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है।

भारत की ओर से लाइबेरिया की महत्वपूर्ण यात्राएं :

5. सी आई आई के एक कारोबारी शिष्टमंडल के साथ तत्कालीन विदेश राज्य मंत्री डा. शशि थरूर ने 16 से 19 सितंबर, 2009 के दौरान लाइबेरिया का दौरा किया। 38 साल पहले सरदार स्वर्ण सिंह की लाइबेरिया यात्रा के बाद यह भारत के किसी विदेश मंत्री की पहली यात्रा थी। डा. थरूर की यात्रा को राष्ट्रपति सरलीफ ने एक उल्लेखनीय यात्रा बताया जिसे

फरवरी, 2010 में प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलर रवि द्वारा एक अन्य आधिकारिक यात्रा के माध्यम से फालो किया गया।

लाइबेरिया की ओर से भारत की महत्वपूर्ण यात्राएं :

6. 17 से 19 मार्च, 2013 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित 9वीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी के लिए उप राष्ट्रपति जोसेफ न्यूमा बोयकाई ने लाइबेरिया के एक शिष्टमंडल का नेतृत्व किया जिसमें लोक निर्माण मंत्री भी शामिल थे। लाइबेरिया के किसी उप राष्ट्रपति द्वारा यह भारत की पहली यात्रा थी। इससे पहले लाइबेरिया की वाणिज्य मंत्री सुश्री मियाटा बेयसोलोव ने मार्च, 2012 में 8वीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी तथा दूसरे भारत - अफ्रीका व्यापार मंत्री सम्मेलन में भाग लिया था। लाइबेरिया के राष्ट्रीय निवेश आयोग के अध्यक्ष डा. रिचर्ड टोलबर्ट तथा वाणिज्य एवं उद्योग उप मंत्री डा. फ्रेडरिक नोर्की ने मार्च, 2009 में दिल्ली में भारत - अफ्रीका साझेदारी परियोजना पर पांचवीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लिया। राष्ट्रपति के सलाहकार श्री राबर्ट सरलीफ एवं उनके पुत्र, ने आई सी सी आर के विशिष्ट विजिटर कार्यक्रम के तहत 2011 में भारत का दौरा किया।

भारत अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन (आई ए एफ एस) :

7. अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना पूरी हो गई है तथा चल रही है। आईएएफएस 1 एवं 2 के तहत भारत ने एक सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र, एक कृषि विज्ञान केंद्र और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महिलाओं के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की प्रतिबद्धता की है। भारत ने लाइबेरिया में एक अतिरिक्त व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (एन एस आई सी) स्थापित करने की भी पेशकश की है।

क्षमता निर्माण एवं मानव संसाधन विकास :

8. भारत लाइबेरिया के मानव संसाधन विकास, क्षमता निर्माण तथा कौशल उन्नयन में योगदान कर रहा है। भारत ने चालू वर्ष 2015-16 में भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत लाइबेरिया को 30 प्रशिक्षण स्लाटों की पेशकश की थी। इसके अलावा, आई सी सी आर ने स्नातकोत्तर अध्ययनों के लिए 2015-16 में 6 पूर्णत: वित्त पोषित छात्रवृत्तियां भी मंजूर की है। लाइबेरिया के लोग आई ए एफ एस के निर्णयों के तहत तथा यूएस - लाइबेरिया - भारत त्रिपक्षीय सहयोग कार्यक्रम के तहत भी अन्य क्षमता निर्माण कार्यक्रमों से लाभ उठा रहे हैं।

भारतीय समुदाय :

9. लाइबेरिया में लगभग 3000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं। भारतीय समुदाय पहले मुख्य रूप से व्यापार एवं सेवाएं प्रदान करने के कार्य में लगा हुआ था परंतु अब यह विनिर्माण के क्षेत्र में भी अपना हाथ आजमा रहा है। लाइबेरिया की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान की वजह से भारतीय समुदाय का लाइबेरिया द्वारा भरपूर आदर किया जाता है। लाइबेरिया में एक सिख गुरूद्वारा, एक हिंदू मंदिर और एक शमशान है।

भारत - लाइबेरिया द्विपक्षीय व्यापार

10. पिछले 5 वर्षों के दौरान व्यापार का ब्यौरा यहां नीचे दिया गया है :

(मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	निर्यात	आयात	कुल	वृद्धि (प्रतिशत में)
2010-11	43.96	17.75	61.71	
2011-12	78.78	9.09	87.87	42.39
2012-13	127.02	21.02	148.04	68.48
2013-14	253.68	26.86	280.54	89.50
2014-15	206.53	57.68	264.21	-5.82

11. पिछले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में समग्र रूप से काफी वृद्धि हुई है। इबोला फैलने की वजह से 2014-15 में यह लगभग स्थिर बना हुआ है। भारत की ओर से मुख्य रूप से खाद्य सामग्री, विशेष रूप से अनाज (चावल), इंजीनियरिंग माल, भेषज उत्पाद, टू-व्हीलर, परिवहन उपकरण, लोहा एवं इस्पात, प्लास्टिक एवं रबर उत्पाद का निर्यात किया जाता है। लाइबेरिया से मुख्य रूप से लकड़ी एवं लकड़ी की वस्तुओं, मेटल स्क्रैप एवं प्राकृतिक रबर का आयात किया जाता है।

12. 2012 में, लाइबेरिया सबसे कम विकसित देशों (एल डी सी) के लिए भारत की ड्यूटी फ्री टैरिफ प्रिफरेंस (डी एफ टी पी) स्कीम में शामिल हुआ। इस स्कीम के तहत कुल टैरिफ लाइनों में से 94 प्रतिशत में लाइबेरिया के निर्यात के लिए भारत तरजीही बाजार पहुंच प्रदान करता है।

लाइबेरिया को सहायता :

13. भारत ने लाइबेरिया को उपहार में 15 बसें दी जिन्हें औपचारिक रूप से राष्ट्रपति सरलीफ की मौजूदगी में विदेश मंत्री महामहिम श्री आगस्टिन कपेहे नगाफान द्वारा 11 दिसंबर, 2014 को प्राप्त किया गया। 2010 में भारत द्वारा 25 बसों का उपहार भारत की सहायता का सबसे प्रखर दृष्टिगोचर उदाहरण बना जिससे लाइबेरिया के हजारों लोगों के दैनिक जीवन में सुधार आया।

14. भारत ने केटर पिलर के संक्रमण से उत्पन्न आपातकालीन स्थिति से निटपने में मदद के लिए 2009 में लाइबेरिया सरकार को कीटनाशक एवं स्प्रेयर से युक्त कृषि सहायता पैकेज प्रदान किया। लाइबेरिया में चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्रों को उन्नत करने के लिए भारत ने मोनरोविया में जे एफ के चिकित्सा केंद्र को सीटी स्कैन मशीन उपहार में देने, बेयरफुट व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, सूचना प्रौद्योगिकी में एक उत्कृष्टता केंद्र और एक कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित करने की भी घोषणा की है। भारत ने अक्टूबर, 2007 में लाइबेरिया के ऋण राहत के लिए आई एम एफ के वित्तीय पैकेज में 11.15 मिलियन एस डी आर का योगदान दिया था।

15. 2014-15 के दौरान इबोला वायरस के फैलने से लाइबेरिया गंभीर रूप से प्रभावित हुआ था। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 9 मई, 2015 को इसे इबोला मुक्त घोषित किया गया। भारत सरकार ने इबोला वायरस से लड़ने के लिए लाइबेरिया को 50,000 अमरीकी डालर से अधिक की द्विपक्षीय सहायता प्रदान की है। इसके अलावा, भारत सरकार ने डब्ल्यू एच ओ 5,00,000 अमरीकी डालर की नकद सहायता तथा इबोला के यूएन फंड में 10 मिलियन अमरीकी डालर का योगदान और लाइबेरिया एवं गिनिया सहित पश्चिम अफ्रीका के इबोला प्रभावित तीन देशों के लिए इबोला से निपटने के लिए संरक्षी गियर खरीदने के लिए 2 मिलियन अमरीकी डालर की अतिरिक्त सहायता प्रदान की है।

16. अगस्त 2014 में, लाइबेरिया में भारतीय समुदाय ने भी इबोला पर राष्ट्रीय कार्यदल के लिए 2,00,000 अमरीकी डालर से अधिक मूल्य की एंटी इबोला से संबंधित सामग्री को दान में दिया। यह दान लाइबेरिया के राष्ट्रपति द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्राप्त किया गया। यह भारत सरकार की सहायता के अलावा था।

भारतीय निवेश :

17. आर्सेलर मित्तल नामक एक पी आई ओ कंपनी ने जुलाई, 2011 से लिमिन्को माइन से लौह अयस्क का निर्यात करना शुरू किया। लाइबेरिया में वेदांता की भी उपस्थिति है। लाइबेरिया में लगभग 150 भारतीय कंपनियां प्रचालन कर रही हैं जो छोटे व्यापार फर्मों से लेकर मध्यम विनिर्माण उद्यम के रूप में हैं। राष्ट्रपति सरलीफ की भारत यात्रा के दौरान, जे एस पी एल ने लाइबेरिया में 175 मेगावाट का एक विद्युत संयंत्र निर्मित करने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया जो अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

ऋण सहायता :

18. विद्युत पारेषण एवं वितरण की एक परियोजना के लिए 144 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता पर हस्ताक्षर लाइबेरिया के राष्ट्रपति की सितंबर, 2013 में भारत की राजकीय यात्रा के दौरा किया गया। एक्जिम बैंक ने हाल ही में इस अंतिम करार पर हस्ताक्षर किया है। अक्टूबर, 2014 में लाइबेरिया की राजकीय सभा द्वारा इसकी पुष्टि के बाद लाइबेरिया को पहली किस्त जारी की जाएगी।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, अबिदजान की वेबसाइट :
:/ / ../

***

जुलाई, 2015